विषय - हिन्दी - पाठ्यक्रम 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021

बी0ए0 तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

काव्यभाषा और हिन्दी भाषा

1. भाषा: परिभाषा, भेद, प्रकार
2. सामान्य भाषा तथा काव्य भाषा: काव्य भाषा की परिकल्पना और स्वरूप
3. आधुनिक साहित्य चिन्तन में काव्य-भाषा का स्वरूप

   क) काव्य-भाषा का गठन और साभिप्राय-विचलन, उपचारवक्रता

   ख) बिम्ब-विधान

   ग) प्रतीक विधान
4. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं: वैदिक तथा संस्कृत का संक्षिप्त भाषिक परिचय।
5. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं के विकासात्मक लक्षण तथा विशेषताएं।

   क) पालि: व्युत्पत्ति, ध्वनि एवं व्याकरणगत विशेषताएं ।

   ख) साहित्यिक प्राकृत: प्राकृत की व्युत्पत्ति, परिनिष्ठित प्राकृत की ध्वनिगत तथा व्याकरणगत विशेषताएं ।

   ग) अपभ्रंश: अवहट्ट की विशेषताएं ।
6. पुरानी हिन्दी की अवधारणा और उसकी विशेषताएं ।
7. हिन्दी और उसकी उपभाषाएं: हिन्दी प्रदेश, हिन्दी की उपभाषाएं: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और पहाड़ी का संक्षिप्त परिचय।
8. पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी की बोलियां, क्षेत्रीय विस्तार तथा भाषागत विशेषताएं ।
9. हिन्दी शब्द भण्डार के स्रोत।
10. मानक-हिन्दी का संक्षिप्त व्याकरण।
11. राजभाषा, राष्टभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी
12. देवनागरी लिपि का इतिहास तथा विशेषताएं

निबन्ध (निम्न तीन प्रकार के विषयों पर आधारित)

बी0ए0 तृतीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय एवं पाश्चात्य-काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

(क) भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य की परिभाषा और स्वरूप
2. काव्यशास्त्रीय संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय (प्राचीन से लेकर आधुनिक तक) , रस संप्रदाय,अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय।
3. काव्य-गुण और काव्य-दोष

(ख) पाश्चात्य आलोचना के प्रमुख सिद्धान्त

1. अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त
2. लंजाइनस का उदात्त सिद्धान्त
3. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
4. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त और सम्प्रेषण सिद्धान्त
5. नयी समीक्षा का सिद्धान्त

(ग) आधुनिक हिन्दी आलोचना तथा साहित्य चिंतन की नयी दिशाएं

1. हिन्दी आलोचना का आरम्भ और विकास
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि
4. प्रगतिवादी समीक्षा: रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह
5. स्वच्छन्दतावादी समीक्षा और आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
6. रसवादी एवं मनोवैज्ञानिक समीक्षा और डॉ0 नगेन्द्र
7. भाषिक समीक्षा और रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. साहित्य चिंतन की नयी दिशाएं
   संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, उत्तर-उपनिवेशवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।
9. विमर्श - दलित, स्त्री, संस्कृति, प्राच्यवाद(संक्षिप्त परिचय)
   (बिन्दु 8 एवं 9 से मात्र टिप्पणी पूछी जायेगी)

बी0ए0 तृतीय वर्ष

तृतीय प्रश्न पत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और उसका अनुप्रयोग

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियां और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली
4. कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका मुहावरा
5. प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली
6. प्रशासनिक हिन्दी और उसके प्रकार
7. संक्षेपण, टिप्पण, प्रतिवेदन-लेखन एवं निबन्ध-लेखन

(ख) हिन्दी का वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप

1. हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली
2. हिन्दी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन
3. हिन्दी कम्प्यूटिंग
4. हिन्दी- अनुप्रयोग में अनुवाद की भूमिका, अनुवाद की अवधारणा, महत्व और विभिन्न सिद्धान्त, हिन्दी अनप्रयोग के विविध क्षेत्र और अनुवाद, भूमंडलीकरण की परिकल्पना और अनुवाद, रोजगार के क्षेत्र और अनुवाद।

(ग) हिन्दी में मीडिया लेखन

1. जनसंचार-माध्यम: अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
2. जनसंचार-माध्यमों के प्रकार
3. जनसंचार-माध्यमों की भाषिक प्रकृति
4. समाचार-लेखन और हिन्दी
5. रेडियो-लेखन और हिन्दी
6. विज्ञापन-लेखन
7. संपादनः कला के सिद्धान्त
8. प्रूफ-पठन

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

मध्यकालीन काव्य

1. विद्यापति: अध्ययन एवं आलोचना

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- शंृगार काव्य परम्परा और विद्यापति
- विद्यापति के काव्य में भक्ति चेतना
- निर्धारित पदों की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

2. कबीरदास: अध्ययन एवं आलोचना

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- निर्गुण परम्परा और कबीर
- विचारधारा और साधना का स्वरूप
- कबीर का युगबोध
- कबीर की भक्ति, समाज चेतना और भाषा
- निर्धारित पद तथा साखियों की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

3. सूरदास: अध्ययन एवं आलोचना

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- कृष्णभक्ति परम्परा और सूरदास
- सूरदास में वात्सल्य और शंृगार
- सूरदास की काव्य-कला और काव्य-भाषा
- निर्धारित पदों की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

4. तुलसीदास: अध्ययन एवं आलोचना

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- सगुण राम-काव्य परम्परा और तुलसीदास
- 'रामचरित-मानस' के प्रबन्ध कौशल में 'अयोध्याकाण्ड' का स्थान

- लोकमंगल और समन्वयात्मक दृष्टि
- तुलसी की भक्ति का स्वरूप
- तुलसी का काव्य-शिल्प
- संकलित रचनाओं की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

5. **मलिक मुहम्मद जायसी: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- सूफी प्रेमाख्यानक काव्य-परम्परा और जायसी
- जायसी के काव्य में प्रेम, विरह-वर्णन और प्रकृति चित्रण
- जायसी की भाषागत विशेषताएं
- 'पद्मावत' के 'नागमती वियोग खण्ड' की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

6. **मीराबाई: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- भक्ति-काव्य का स्त्री स्वर और मीरा
- मीरा के काव्य में भक्ति-भावना , प्रेम एवं विरह
- गीति-काव्य परम्परा में मीरा का स्थान
- निर्धारित पदों की व्याख्या

निर्धारित पुस्तक - 'मीराबाई की पदावली' सं0 आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद (प्रथम खंड) ।

(पद सं0 - 3,7,19,23,25,32,33,38,45,57= 10 पद) (मध्यकालीन काव्य में संकलित)

7. **बिहारी: अध्ययन एवं आलोचना**

- मुक्तक-काव्य परम्परा और बिहारी
- बिहारी की कलात्मकता
- बिहारी काव्य में रीति तत्व एवं बिहारी की काव्य-भाषा
- संकलित दोहों की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. साहित्येतिहास की सामग्री

- संचयन, वर्गीकरण और उपयोग
- इतिहास लेखन की दृष्टियां और परंपरा
- काल विभाजन: आधार और नामकरण

2. आदिकाल (1400 ई0 तक)

- साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ
- साहित्य की अभिव्यक्ति का स्वरूप

(क) सिद्ध साहित्य,(ख) नाथ साहित्य, (ग) जैन साहित्य, (घ)रासो-साहित्य, (ङ) अमीर खुसरो का हिन्दी साहित्य एवं (च) विद्यापति का काव्य।

3. भक्तिकाल (1400 ई0 से 1600 ई0 तक)

- पृष्ठभूमि और संदर्भ

सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक,राजनैतिक स्थितियां और भक्ति-आन्दोलन की प्रेरक शक्तियां

- निर्गुण भक्ति साहित्य

(क) संत साहित्य और कबीर, संत-साहित्य की मुख्य विशेषताएं

(ख) प्रेमाख्यानक-काव्य और जायसी, प्रेमाख्यानक -काव्य की विशेषताएं

- सगुण भक्ति साहित्य (क) रामकाव्य-परंपरा और तुलसी, रामकाव्य की विशेषताएं

(ख) कृष्णकाव्य-परंपरा और सूरदास, कृष्णकाव्य की विशेषताएं

- भक्तिकालीन काव्य-संवेदना और अभिव्यक्ति-विधान
- भक्ति-काव्य की सामाजिक तथा सांस्कृतिक- चेतना

4. रीतिकाल (1600 ई0 से 1850 ई0 तक)

- रूढि और मौलिकता

अ) शास्त्रगत, शिल्पगत, छन्दगत, भाषागत प्रयोग

ब) संवेदना, कलादृष्टि और सृजनशीलता

स) केशव, मतिराम, देव, बिहारी और घनानंद आदि कवियों का योगदान

- रीतिकाव्य का वर्गीकरण - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त
- रीतिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियां और विशेषताएं

5. आधुनिक काल (1850 ई0 के बाद)

क) मध्ययुगीनता और आधुनिकता का अर्थ और अन्तर

ख) 19वीं शताब्दी के पुनर्जागरण का रूप

ग) पुनर्जागरण और हिन्दी क्षेत्र

(i) खड़ी-बोली गद्य का विकास और प्रयोग

(ii) साहित्य और संस्कृति

घ) भारतेन्दु और उनके युग के लेखक

(अ) लोक-चेतना (ब) पत्रकारिता (स) साहित्य उन्मेष (द) सामाजिक दृष्टि

ङ) द्विवेदी युग और नवजागरण: संवेदना और दृष्टि

च) विभिन्न काव्यान्दोलन, प्रवृत्तियां और कवि (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, अकविता और समकालीन कविता)

छ) नाटक, रंगमंच, उपन्यास, कहानी, निबन्ध एवं आलोचना का संक्षिप्त इतिहास

ज) हिन्दी पत्रकारिता: साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान

झ) नये गद्य-रूपों का उदयः यात्रा वृत्तान्त, रिपोर्ताज, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण आदि का संक्षिप्त परिचय।

2017 - 18

बी0ए0 प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक हिन्दी कविता

1. मैथिलीशरण गुप्तः आलोचना और व्याख्या

आधुनिक खड़ी बोली कविता का आरम्भ, द्विवेदी युगीन काव्य-प्रवृत्तियां और मैथिलीशरण गुप्त, गुप्त जी का जीवन परिचय और रचनाएं, राम काव्य परम्परा में साकेत , साकेत की मौलिकता तथा आधुनिकता, साकेत का महाकाव्यत्व, भाव-व्यंजना, पात्र-परिकल्पना, भाषा , नवम सर्ग का काव्य सौष्ठव तथा संवेदना।

- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ - 'साकेत : नवम सर्ग (दूसरा भाग)

2. जयशंकर प्रसादः आलोचना और व्याख्या

प्रसाद का जीवन परिचय और रचनाएं, छायावादी काव्य की प्रवृत्तियां और कामायनी , कामायनी का महाकाव्यत्व, युगबोध, चिंता सर्ग का काव्य सौष्ठव, कामायनी की भाषा।

- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ - कामायनी (चिंता सर्ग)

3. सूर्यकान्त त्रिपाठी ' निराला' : आलोचना और व्याख्या

'निराला' का जीवन परिचय और रचनाएं, 'निराला' की विद्रोही चेतना, प्रगतिशीलता, काव्य की बहुआयामी प्रवृत्ति, काव्यभाषा।

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं -बादल राग (तिरती है समीर सागर से), अधिवास,तोड़ती पत्थर।

(राग-विराग - सं0 डॉ0 राम विलास शर्मा)

सुमित्रानन्दन पंतः व्याख्या और आलोचना

पंत का जीवन परिचय और रचनाएं, पंत की काव्य संवेदना और काव्य शिल्प, सौन्दर्य दृष्टि और प्रकृति चित्रण, काव्य भाषा।

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - भारत माता, नौका विहार, ताज। (आधुनिक कवि पंत - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)

5. रघुवीर सहायः आलोचना और व्याख्या

रघुवीर सहाय का जीवन परिचय और रचनाएं, रघुवीर सहाय की काव्य संवेदना, काव्य भाषा और काव्य शिल्प।

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - पढिए गीता, अधिनायक, अकाल और आत्महत्या के विरुद्ध। (रघुवीर सहायः प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

6. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : व्याख्या और आलोचना

'अज्ञेय' का जीवन परिचय और रचनाएं, प्रयोगवाद और 'अज्ञेय' , 'अज्ञेय' की काव्य संवेदना और काव्य शिल्प।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - आज थका हिय हारिल मेरा, बावरा अहेरी, शब्द और सत्य एवं मेरे देश की आंखें। (अज्ञेय की कविताएं - सं0 विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली)

7. गजानन माधव 'मुक्तिबोध' : व्याख्या और आलोचना

'मुक्तिबोध' का जीवन परिचय, काव्य रचनाएं, नई काव्य संवेदना, प्रगतिशीलता, काव्य भाषा एवं शिल्प विधान।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - मैं उनका ही होता, मैं तुम लोगों से दूर हूं, कहने दो उन्हें जो यह कहते हैं और भूल गलती। (मुक्तिबोधः प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली)

8. 'नागार्जुन' : व्याख्या और आलोचना

'नागार्जुन' का जीवन परिचय, काव्य रचनाएं, प्रगतिशील-चेतना, काव्यवस्तु, काव्य शिल्प, काव्य भाषा।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - पछाड़ दिया मेरे आस्तिक को, बहुत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है और सिंदूर तिलकित भाल। (नागार्जुनः प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेनाः व्याख्या और आलोचना

सर्वेश्वर का जीवन परिचय एवं आलोचना, काव्यवस्तु, काव्य संवेदना,काव्य शिल्प।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - सुहागिन का गीत, लीक पर वे चलें, भूख और फसल।(सर्वेश्वर दयाल सक्सेनाः प्रतिनिधि कविताएं , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

10. केदार नाथ अग्रवालः व्याख्या और आलोचना

केदार नाथ अग्रवाल का जीवन परिचय एवं आलोचना, काव्यवस्तु, काव्यसंवेदना, काव्यशिल्प।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - बसंती हवा, वीरांगना, मोर्चे पर और किसान से।

(पाठ्य पुस्तक -'आधुनिक काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

बी0ए0 प्रथम वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

गद्य साहित्य:विभिन्न विधाएं

निबन्ध

भारतेन्दु हरिश्चंद्र : भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
बालमुकुन्द गुप्त : एक दुराशा
रामचन्द्र शुक्ल : क्रोध
हजारी प्रसाद द्विवेदी : कुटज
हरिशंकर परसाई : विकलांग श्रद्धा का दौर
विद्यानिवास मिश्र : घने नीम तरु तले
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ' अज्ञेय' : बसंत का अग्रदूत (संस्मरण)
फणीश्वर नाथ रेणु : 'तीसरी कसम' के सेट पर (रिपोर्ताज)
पाठ्य पुस्तक - ' नवीन निबन्ध संग्रह' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

कहानी

प्रेमचंद : गुल्ली - डंडा
चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : उसने कहा था
जयशंकर प्रसाद : पुरस्कार
यशपाल : महाराजा का इलाज
अमरकान्त : दोपहर का भोजन
भीष्म साहनी : चीफ की दावत
चित्रा मुद्गल : भूख
शिवमूर्ति : सिरी उपमा जोग

उपन्यास

प्रेमचन्द : निर्मला

नाटक

असगर वजाहत : जिन लाहौर नहिं देख्यां सो जन्म्यां नहिं

एकांकी

रामकुमार वर्मा : उत्सर्ग
उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : तौलिए
लक्ष्मी नारायण लाल : व्यक्तिगत
भुवनेश्वर : श्यामा: एक वैवाहिक विडम्बना

सहायक पुस्तकें

नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
बच्चन सिंह	:	क्रन्तिकारी कवि निराला
रामकमल राय	:	अज्ञेय : सृजन और संघर्ष
अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
अजय तिवारी	:	नागार्जुन का काव्य
परमानन्द श्रीवास्तव	:	कविता का अर्थात्
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	नई कविताएँ : एक साक्ष्य
विश्वम्भर मानव एवं रामकिशोर शर्मा	:	आधुनिक कवि
कृपाशंकर पांडेय	:	सर्वेश्वर, मुक्तिबोध और अज्ञेय
कुमार कृष्ण	:	दूसरे प्रजातंत्र की तलाश में : धूमिल

सहायक पुस्तकें

रामविलास शर्मा	:	भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा
रामचन्द्र तिवारी	:	हिन्दी का गद्य–साहित्य
वीरभारत तलवार	:	किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद
रामविलास शर्मा	:	प्रेमचंद और उनका युग
नामवर सिंह	:	कहानी : नयी कहानी
देवीशंकर	:	हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति
गिरीश रस्तोगी	:	मोहन राकेश के नाटक
रामकुमार वर्मा	:	एकांकी कला

सहायक पुस्तकें

नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
बच्चन सिंह	:	क्रन्तिकारी कवि निराला
रामकमल राय	:	अज्ञेय : सृजन और संघर्ष
अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
अजय तिवारी	:	नागार्जुन का काव्य
परमानन्द श्रीवास्तव	:	कविता का अर्थात्
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	नई कविताएँ : एक साक्ष्य
विश्वम्भर मानव एवं रामकिशोर शर्मा	:	आधुनिक कवि
कृपाशंकर पांडेय	:	सर्वेश्वर, मुक्तिबोध और अज्ञेय
कुमार कृष्ण	:	दूसरे प्रजातंत्र की तलाश में : धूमिल

सहायक पुस्तकें

रामविलास शर्मा	:	भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा
रामचन्द्र तिवारी	:	हिन्दी का गद्य–साहित्य
वीरभारत तलवार	:	किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद
रामविलास शर्मा	:	प्रेमचंद और उनका युग
नामवर सिंह	:	कहानी : नयी कहानी
देवीशंकर	:	हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति
गिरीश रस्तोगी	:	मोहन राकेश के नाटक
रामकुमार वर्मा	:	एकांकी कला

HINDI

B.A. I, II & III YEAR

MODULAR-

CURRICULA FOR THE SESSION

HINDI B.A. I

MODULAR CURRICULA

FOR THE SESSION

हिन्दी साहित्य
व्याख्यान सूची–समय सारिणी
हिन्दी पाठ्यक्रम
बी0ए0 प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र– आधुनिक हिन्दी कविता

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र– तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान– जुलाई.....सितम्बर

1. **मैथिलीशरण गुप्त**– आलोचना और व्याख्या
   व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ– सकेत : नवम् सर्ग (दूसरा भाग)
2. **जयशंकर प्रसाद**– व्याख्या एवं आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ– कामायनी (चिन्ता सर्ग)
3. **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**– आलोचना और व्याख्या
   व्याख्या हेतु निर्धारित कवितायें– बादल राग (तिरती है समीर सागर से) अधिवास, तोड़ती पत्थर।

द्वितीय सोपान– अक्टूबर.....दिसम्बर

1. **सुमित्रानंदन पंत**– व्याख्या और आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं– भारतमिाता, नौका विहार, ताज।
   (आधुनिक कति पंत– हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)
2. **रघुवीर सहाय**– व्याख्या और आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं– पढ़िये गीता अधिनायक, अकाल और आत्महत्या के विरूद्ध
3. **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय**– व्याख्या और आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं– आज थका हिय हारिल मेरा, बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, मेरे देश की आँखें।
4. **गजानन माधव मुक्तिबोध**– व्याख्या और आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं– मैं उनका ही होता, मैं तुम लोगों से दूर हूँ,कहने दो उन्हे जो यह कहतें हैं और भूल गलती
   (मुक्तिबोधः प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

तृतीय सोपान– जनवरी.....फरवरी

1. **नागार्जुन**–व्याख्या और आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं– पछाड़ दिया मेरे आस्तिक को, बहुत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है, सिन्इर, तिलकित भाल।
2. **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना**– व्याख्या और आलोचना
   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं– सुहागिन का गीत, लीक पर वे चलें, कुआनो नदी।
   (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. **केदारनाथ अग्रवाल**– व्याख्या और आलोचना

   व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं–वसन्ती हवा, वीरांगना मोर्चे पर किसान से

द्वितीय प्रश्नपत्र

गद्य साहित्य : विभिन्न विधाएं

तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान–

जुलाई.....सितम्बर

- **निबन्ध– निर्धारित निबन्ध की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न**
  भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बालमुकुन्द गुप्त, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई, विद्या निवास मिश्र, अज्ञेय, फणीश्वर नाथ रेणु।

द्वितीय सोपान–

अक्टूबर.....दिसम्बर

- **कहानी– निर्धारित कहानी एवं उपन्यास की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न**
  प्रेमचन्द– गुल्ली–डंडा, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी– उसने कहा था, जयशंकर प्रसाद– पुरस्कार, यशपाल–महाराजा का इलाज, अमरकांत–दोपहर का भोजन, भीष्म साहनी–चीफ की दावत, शिवमूर्ति– सिरी उपमा जाग, चित्रा मुद–भूख।
- **उपन्यास– निर्धारित उपन्यास की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न**
  प्रेमचन्द प्रेमाश्रम

तृतीय सोपान–

जनवरी.....फरवरी

- **नाटक– निर्धारित नाटक की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न**
  असगर वजाहत– जिन लाहौर नहिं देख्यां सो जन्म्मां नाहिं
- **एकांकी निर्धारित एकांकी की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न**
  रामकुमार वर्मा– उत्सर्ग, उपेन्द्रनाथ अश्क– तौलिए, लक्ष्मी नारायण लाल– व्यक्तिगत, भुवनेश्वर– श्यामा : एक वैवाहिक विडम्बना
- पुस्तक : **प्रतिनिधि एकांकी संग्रह**– हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद।

HINDI B.A. II

MODULAR CURRICULA

FOR THE SESSION

हिन्दी साहित्य
व्याख्यान सूची–समय सारिणी
हिन्दी पाठ्यक्रम
बी०ए० द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र– मध्यकालीन काव्य

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र– तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान –

जुलाई.....सितम्बर

1. **विद्यापति** : व्याख्या एवं आलोचना
   (क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
   (ख) श्रृंगार काव्य परम्परा और विद्यापति
   (ग) विद्यापति के काव्य में भक्ति चेतना
   (घ) निर्धारित पदों की व्याख्या (संकलन– 'मध्यकालीन काव्य', हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)
2. **कबीरदास** : व्याख्या एवं आलोचना
   (क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएँ
   (ख) निर्गुण परम्परा और कबीर
   (ग) विचारधारा और साधना का स्वरूप
   (घ) कबीर का युगबोध
   (ङ) कबीर की भक्ति, समाज चेतना, भाषा
   (च) निर्धारित पद तथा सखियों की व्याख्या(संकलन– 'मध्यकालीन काव्य', हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)
3. **सूरदास** : व्याख्या एवं आलोचना
   (क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
   (ख) कृष्ण भक्ति परम्परा और सूरदास
   (ग) सूरदास में वात्सल्य और श्रृंगार
   (घ) सूरदास की काव्य–कला और काव्य–भाषा
   (ङ) निर्धारित पदों की व्याख्या(संकलन– 'मध्यकालीन काव्य', हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

द्वितीय सोपान–

अक्टूबर ..... दिसम्बर

4. **तुलसीदास** : व्याख्या एवं आलोचना
   (क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएँ
   (ख) सगुण राम–काव्य परम्परा और रचनाएँ
   (ग) 'रामचरित मानस' के प्रबन्ध–कौशल में 'अयोध्याकाण्ड' का स्थान

(घ) लोकमंगल और समन्वयात्मक दृष्टि
(ङ) तुलसी की भक्ति का स्वरूप
(च) तुलसी का काव्य शिल्प
(छ) संकलित रचनाओं की व्याख्या (संकलन– **'मध्यकालीन काव्य'**, हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

5. **मलिक मुहम्मद जायसी** : व्याख्या एवं आलोचना
(क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएँ
(ख) सूफी प्रेमाख्यानक काव्य–परम्परा और जायसी
(ग) जायसी के काव्य में प्रेम, विरह–वर्णन और प्रकृति चित्रण
(घ) जायसी की भाषागत विशेषताएँ
(ङ) 'पदमावत' के 'नागमती वियोग खण्ड' की व्याख्या (संकलन– **'मध्यकालीन काव्य'**, हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

6. **मीराबाई** : व्याख्या एवं आलोचना
(क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएँ
(ख) भक्ति काव्य का स्त्री–स्वर और मीरा
(ग) मीरा के काव्य में भक्ति–भावना, प्रेम एवं विरह
(घ) गीति–काव्य परम्परा में मीरा का काव्य
(ङ) निर्धारित पदों की व्याख्या
निर्धारित पुस्तक– **मीराबाई की पदावली** (सं0)– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद (प्रथम खण्ड)।
(पद सं0 3,7,19,23,25,32,33,38,45,57= 10 पद)(मध्यकालीन काव्य में संकलित)

तृतीय सोपान–

जनवरी .....फरवरी

7. बिहारी
(क) मुक्तक–काव्य परम्परा और बिहारी
(ख) बिहारी की कलात्मकता
(ग) बिहारी काव्य में रीति तत्व एवं बिहारी की काव्य–भाषा
(घ) संकलित दोहों की व्याख्या (संकलन– **'मध्यकालीन काव्य'**, हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

8. घनानन्द
(क) संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएँ
(ख) रीतिमुक्त काव्य–परम्परा और घनानन्द
(ग)घनानन्द की प्रेम–संवेदना और भाषा
(घ) काव्य–कला
(ङ) संकलित पदों की व्याख्या(संकलन– **'मध्यकालीन काव्य'**, हिन्दी परिषद प्रकाशन ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान –

जुलाई.....सितम्बर

1. साहित्येहास की सामग्री

(क) संचयन, वगीकरण और उपयोग
(ख) इतिहासों का इतिहास और लेखन की मूल दृष्टियाँ
(ग) काल विभाजन : आधार और नामकरण

2. आदिकाल (1400 ई0 तक)

(क) साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ
(ख) साहित्य की अभिव्यक्ति का स्वरूप
(i) सिद्ध साहित्य, (ii) नाथ साहित्य, (iii) जैन–साहित्य, (iv)रासो–साहित्य, (v) अमीर खुसरो का हिन्दी साहित्य,
(vi) विद्यापति का काव्य।

द्वितीय सोपान–

अक्टूबर ..... दिसम्बर

3. भक्तिकाल (1400 ई0 से 1600 ई0 तक)

(क) **पृष्ठभूमि और संदर्भ**
समाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनैतिक स्थितियाँ और भक्ति–आंन्दोलन की प्रेरक शक्तियाँ।

(ख) **निर्गुण भक्ति साहित्य**
(अ) संत साहित्य और कबीर, संत–साहित्य की मुख्य विशेषताएँ
(ब) प्रेमाख्यानक–काव्य और जायसी, प्रेमाख्यानक–काव्य की विशेषताएँ

(ग) **सगुण भक्ति साहित्य**
(अ) रामकाव्य–परम्परा और तुलसी, रामकाव्य की विशेषताएँ
(ब) कृष्णकाव्य–परम्परा और जायसी, प्रेमाख्यानक–काव्य की विशेषताएँ

(घ) **भक्तिकालीन काव्य–संवेदना और अभिव्यक्ति–विधान**

(ड.) **भक्ति–काव्य की सामाजिक तथा सांस्कृतिक–चेतना**

4. रीतिकाल (1600 ई0 से 1850 ई0 तक)

(क) रूढ़ि और मौलिकता

(अ) शास्त्रगत, शिल्पगत, छन्दगत, भाषागत प्रयोग

(ब) संवेदना, कलादृष्टि और सृजनशीलता

(स) केशव, मतिराम, देव बिहारी और घनानन्द आदि कवियों का योगदान

(ख) रीतिकाव्य का वर्गीकरण–रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

(ग) रीतिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ

तृतीय सोपान–

जनवरी .....फरवरी

5. आधुनिक काल (1850 के बाद)

(क) मध्ययुगीनता और आधुनिकता का अर्थ और अंतर

(ख) 19वीं शताब्दी के पुनर्जागरण का रूप

(ग) पुनर्जागरण और हिन्दी क्षेत्र

(i) खड़ी–बोली गद्य का विकास और प्रयोग

(ii) साहित्य और संस्कृति

(घ) भारतेन्दु और उनके युग के लेखक

(अ) लोक–चेतना (ब) पत्रकारिता (स) साहित्य उन्मेष (द) सामाजिक दृष्टि

(ड.) द्विवेदी युग और नवजागरण : संवेदना और दृष्टि

(च) विभिन्न काव्यान्दोलन, प्रवृत्तियाँ और कवि (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, अकविता और समकालीन कविता।)

(छ) नाटक, रंगमंच, उपन्यास, कहानी, निबंध एवं आलोचना का संक्षिप्त इतिहास

(ज) हिन्दी पत्रकारिता : साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान

नये गद्य–रूपों का उदय : यात्रा वृत्तान्त, रिर्पोताज, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण आदि का संक्षिप्त परिचय।

HINDI B.A. III

MODULAR CURRICULA

FOR THE SESSION

हिन्दी साहित्य
व्याख्यान सूची–समय सारिणी
हिन्दी पाठ्यक्रम
बी०ए० तृतीय वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र– काव्यभाषा और हिन्दी भाषा

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र– तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान –

जुलाई.....सितम्बर

1– भाषा : परिभाषा, भेद, प्रकार

2– सामान्य भाषा तथा काव्य भाषा : काव्य भाषा की परिकल्पना और स्वरूप

(क) काव्य–भाषा का गठन और साभिप्राय– विचलन, उपचारवक्रता

(ख) बिम्ब–विधान

(ग) प्रतीक–विधान

4– प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा संस्कृत का संक्षिप्त भाषिक परिचय।

द्वितीय सोपान–

अक्टूबर ..... दिसम्बर

5– मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं के विकासात्मक लक्षण तथा विशेषताएँ।

(क) पालि : व्युत्पत्ति, ध्वनिगत एवं व्याकरणगत विशेषताएँ।

(ख) साहित्यिक प्राकृत : प्राकृत की व्युत्पत्ति, परिनिष्ठित प्राकृत की ध्वनिगत तथा व्याकरणगत विशेषताएँ।

(ग) अपभ्रंश एवं अवहट्ठ की विशेषताएँ

6– पुरानी हिन्दी की अवधारणा और उसकी विशेषताएँ

7– हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : हिन्दी प्रदेश, हिन्दी की उपभाषाएँ : पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और पहाड़ी का संक्षिप्त परिच।

8– पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ, क्षेत्रीय विस्तार तथा भाषागत विशेषताएँ

तृतीय सोपान–

जनवरी .....फरवरी

9– हिन्दी शब्द भण्डार के स्रोत

10– मानक हिन्दी का संक्षिप्त व्याकरण

11– राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी

12– देवनागरी लिपि का इतिहास तथा विशेषताएँ

निबन्ध– (निम्न तीन प्रकार के विषयों पर आधारित)

(क) सांस्कृतिक, (ख) साहित्यिक, (ग) सामाजिक

द्वितीय प्रश्न–पत्र
भारतीय एवं पाश्चात्य–काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र– तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान –

जुलाई.....सितम्बर

(क) भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य की परिभाषा और स्वरूप
2. काव्यशास्त्रीय संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय (प्राचीन से लेकर आधुनिक तक), रस सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय।
3. काव्य–गुण और काव्य–दोष

द्वितीय सोपान– अक्टूबर ..... दिसम्बर

(ख) पाश्चात्य आलोचना के प्रमुख सिद्धान्त

1. अरस्तू का **अनुकरण सिद्धान्त**
2. लांजाइनस का **उदात्त सिद्धान्त**
3. क्रोचे का **अभिव्यंजनावाद**
4. रिचर्ड्स का **मूल्य सिद्धान्त** और **सम्प्रेषण सिद्धान्त**
5. **नयी समीक्षा** का सिद्धान्त

तृतीय सोपान– जनवरी .....फरवरी

(ग) आधुनिक हिन्दी आलोचना तथा साहित्य चिंतन की नयी दिशाएँ

1. हिन्दी आलोचना का आरम्भ और विकास
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि
4. प्रगतिवादी समीक्षा : रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह
5. स्वछन्दतावादी समीक्षा और आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
6. रसवादी एवं मनोवैज्ञानिक समीक्षा और डॉ0 नगेन्द्र
7. भाषिक समीक्षा और रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. साहित्य चिंतन की नयी दिशाएँ
   संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद, उत्तर–उपनिवेशवाद, उत्तर–आधुनिकतावाद
9. विमर्श–दलित, स्त्री, संस्कृति, प्राच्यवाद (संक्षिप्त परिचय)।
   (8 एवं 9 से केवल टिप्पणी पूछी जायेगी)

तृतीय प्रश्न–पत्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी

हिन्दी तृतीय प्रश्नपत्र– तीन सोपानों में विभाजित

प्रथम सोपान – **जुलाई.....सितम्बर**

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और उसका अनुप्रयोग

- प्रयोजन मूलक हिन्दी का अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
- प्रयोजन मूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
- प्रयोजन मूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली
- कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका मुहावरा
- प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली
- प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार
- संक्षेपण, प्रारूपण, टिप्पण, प्रतिवेदन–लेखन एवं निबन्ध–लेखन

द्वितीय सोपान– **अक्टूबर ..... दिसम्बर**

(ख) हिन्दी का वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप

- हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली
- हिन्दी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन
- हिन्दी कम्प्यूटिंग
- हिन्दी–अनुप्रयोग में अनुवाद की भूमिका, अनुवाद की अवधारणा, महत्व और विभिन्न सिद्धान्त, हिन्दी अनुप्रयोग के विविध क्षेत्र और अनुवाद, भूमंडलीकरण की परिकल्पना और अनुवाद, रोजगार के क्षेत्र और अनुवाद।

तृतीय सोपान– **जनवरी .....फरवरी**

(ग) हिन्दी में मीडिया लेखन

- जनसंचार–माध्यम : अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
- जनसंचार–माध्यमों के प्रकार
- जनसंचार–माध्यमों की भाषिक प्रकृति
- समाचार–लेखन और हिन्दी
- रेडियो–लेखन और हिन्दी
- विज्ञापन–लेखन
- संपादन– कला के सिद्धान्त
- प्रूफ–पठन

TIME TABLE 2020-21

SUBJECT – HINDI

B.A.- I, II & III

Dr. Haseena Bano
Associate Professor
Department of Hindi

	I	II	III	IV	V	IV
DAYS	11.40-12.30	12.30-1.10	1.10-2.00	2.00-2.50	2.50 -3.10	3.10-4.00
MON	CLASS B.A-1 HIN	TUTORIAL B.A.-1	CLASS B.A-II HIN	ADMINISTRATIVE	LIBRARY	CLASS B.A.-III HIN
TUE	CLASS B.A.-I HIN	TUTORIAL B.A.-I	CLASS B.A.-II HIN	ADMINISTRATIVE	LIBRARY	CLASS B.A.-III HIN
WED	CLASS B.A.-I HIN	TUTORIAL B.A.-II	CLASS B.A.-II HIN	ADMINISTRATIVE	TUTORIAL B.A.-III	CLASS B.A.-III HIN
THUS	CLASS B.A.-I HIN	TUTORIAL B.A.-II HIN	CLASS B.A.-II HIN	LIBRARY	TUTORIAL B.A.-III	CLASS B.A.-III HIN
FRI	CLASS B.A.-I HIN	ADMINISTRTIVE	CLASS B.A.-II HIN	CULTURAL PROGRAMME	CULTURAL PROGRAMME	CLASS B.A.-III HIN
SAT	CLASS B.A.-I HIN	ADMINISTRATIVE	CLASS B.A-II HIN	LIBRARY	CULTURAL PROGRAMME	CLASS B.A.-III HIN

अध्यापन शैली

स्नातक – प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष

अध्यापन शैली – व्याख्यान शैली, प्रश्नोत्तर शैली, व्याख्या द्वारा समूह परिचर्चा, श्रृव्य दृश्य– ओ०एच०पी०, सीडी नाट्य शैली, पाठ्यक्रमों में निर्धारित नाटक एकांकी, पुस्तकालय द्वारा ज्ञानार्जन संगोष्ठी, कार्यशाला आयोजित, अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, अन्ताक्षरी, प्रोजेक्टर द्वारा, वाचनालय और पुस्तकालय से घनिष्ठ सम्बन्ध, बौद्धिक एवं रचनात्मक कार्यों द्वारा छात्राओं का सर्वांगीण विकास, समीक्षा प्रक्रिया, प्रश्न मंच इत्यादि।